सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
5455	13.08.2019	16.08.2019	**Rohtak Haryana**	Dainik Jagran Hindi Newspaper 13th August, 2019/Page No. 06
Title:	**Half of Rohtak city is in the grip of serious diseases due to supply of contaminated water, Haryana**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Rohtak, SSU-Haryana			

दूषित जल से होने वाली गंभीर बीमारियों की चपेट में आधे शहर के लोग चपेट में आ चुके हैं। शहर में रहने वाले पांच लाख से अधिक लोग इस दूषित पानी को पीने के लिए मजबूर हैं। इससे दूषित पानी में मौजूद बैक्टीरिया लोगों में विभिन्न प्रकार की बीमारी पैदा कर रहे हैं। इससे पीजीआइ में प्रतिदिन उपचार के लिए पहुंचने वाले 400 से अधिक मरीजों में दूषित पानी जनित बीमारियां पाई गई हैं। चिकित्सक इन बीमारियों से बचने के लिए न केवल पेयजल में बदलाव की सलाह दे रहे हैं, बल्कि उचित परहेज की भी सलाह दी जा रही है।

शहरी क्षेत्र में दूषित पेयजल सप्लाई की समस्या सबसे बड़ी बनी हुई है। प्रतिदिन दर्जनों कालोनियों में दूषित पेयजल सप्लाई को लेकर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाता है, लेकिन सरकार के साथ न तो जिला प्रशासन और न ही स्वास्थ्य विभाग इस ओर कोई ध्यान दे रहा है। आलम यह है कि लोग अब दूषित पेयजल को ही पीने समेत अन्य कार्यों के लिए प्रयोग करने के लिए मजबूर हैं। पीजीआइ में प्रतिदिन उपचार के लिए पहुंचने वाले सात हजार से अधिक मरीजों में चार सौ से अधिक ऐसे मरीज हैं, जिन्हें दूषित पानी में पाए जाने वाले विषैले तत्वों जैसे कैडमियम, लेड, मरकरी, निकल, सिल्वर, आर्सेनिक के कारण गंभीर बीमारियां हो रहीं

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in
Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921
https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हैं। दूषित जल में मैग्नीशियम व सल्फेट की अधिकता से आंतों में जलन पैदा होती है। नाइट्रेट की अधिकता से बच्चों में मेटाहीमोग्लाबिनेमिया नामक बीमारी हो जाती है तथा आंतों में पहुंचकर नाइट्रोसोएमीन में बदलकर पेट का कैंसर बना देता है। फ्लोरीन की अधिकता से फ्लोरोसिस नामक बीमारी हो जाती है। दूषित जल में रोगजनक जीवों के कारण होने वाली बीमारियां

विषाणु से : पीलिया, पोलियो, गैस्ट्रो-इंटराइटिस, जुकाम, संक्रामक यकृत षोध, चेचक

जीवाणु से : अतिसार, पेचिस, मियादी बुखार, अतिज्वर, हैजा, कुकुर खांसी, सूजाक, क्षय रोग

प्रोटोजोआ से : पायरिया, पेचिस, निद्रारोग, मलेरिया, अमीबियोसिस रुग्णता

कृमि से : फाइलेरिया, हाइडेटिड सिस्ट रोग तथा पेट में विभिन्न प्रकार के कृमि का आना कैसे करें बचाव ---

पेयजल को पीने योग्य बनाने के लिए कीटाणु रहित करने के लिए उचित मात्रा में ब्लीचिग पाउडर का उपयोग प्रभावी रहता है। ऐसी स्थिति में पानी को उबालकर ठंडा कर पीना चाहिए। इससे पानी में मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। पेयजल को तांबे के बर्तन में रखें तो यह अन्य बर्तनों की अपेक्षा सर्वाधिक शुद्ध रहता है। एक गैलेन पानी को दो ग्राम फिटकरी या बीस बूंद टिचर आयोडीन या तनिक या ब्लीचिग पाउडर मिलाकर शुद्ध किया जा सकता है। चारकोल, बालू युक्त बर्तन से छानकर भी पानी शुद्ध किया जा सकता है। वर्जन ---

दूषित पेयजल के कारण हेपेटाइटिस बी, सी, पीलिया, आंतों में इंफेक्शन, लीवर इंफेक्शन समेत हड्डियों से संबंधित बीमारी फैलती है। बड़ी संख्या में मरीज इन बीमारियों से ग्रसित होकर आ रहे हैं, जिनका मुख्य कारण दूषित पेयजल पाया जा रहा है।

डा. प्रवीण मल्होत्रा, विभागाध्यक्ष गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिस्ट पीजीआइएमएस